सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 110 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 26 मई, 2022
मूल्य ₹ 3/-

बाधाएं वो डरावनी चीजें हैं जो आप तब देखते हैं जब आप लक्ष्य से अपनी आंखें हटा लेते हैं।

-हेनरी फोर्ड

लोक सभा उपचुनाव के लिए राजनीतिक... 8 | सदन में भी दिख रही शिवपाल की... 3 | झूठ को बार-बार दोहरा कर सच... 7

योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला मेगा बजट पेश

सरकार ने खोला खजाना सौगातों की बारिश

» संतों-पुरोहितों के कल्याण के लिए होगा बोर्ड का गठन, तीन जिलों में गठित होगी महिला पीएसी बटालियन

» किसानों की दुर्घटना में मौत या दिव्यांगता पर मिलेंगे पांच लाख

6.15 लाख करोड़ का बजट

▶ गरीबों के लिए मुफ्त राशन और सिलेंडर, पेंशन में इजाफा

▶ किसानों को बिजली बिल में छूट, चार लाख नौकरी देने का लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा में आज योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला मेगा बजट पेश किया गया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने करीब 6.15 लाख करोड़ का बजट पेश करते हुए कई बड़े ऐलान किए। उन्होंने गरीबों, किसानों, नौजवानों और महिलाओं समेत विभिन्न वर्गों के लिए कई सौगतों की घोषणा की। बजट में महिला सुरक्षा पर खास फोकस किया गया तो प्रदेश के विकास का खाका भी खींचा गया।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने अपने बजट भाषण की शुरुआत जनता को दोबारा मौका देने के लिए आभार प्रकट करते हुए की। उन्होंने कहा कि निराश्रित महिलाओं, बुर्जुगों और दिव्यांगों की पेंशन 500 से बढ़ाकर एक हजार प्रति माह कर दिया गया है। सरकार ने पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य तय किया है। बजट में किसानों को सिंचाई के लिए बिजली बिल में 50 फीसदी छूट और बुजुर्ग पुजारियों, संतों और पुरोहितों के समग्र कल्याण के लिए बोर्ड के गठन का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि अंत्योदय और पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को नि:शुल्क खाद्यान्न और प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के लाभार्थियों को दो निशुल्क एलपीजी सिलेंडर दिए जाएंगे। वाराणसी और गोरखपुर में मेट्रो रेल शुरू होगी। कोविड के कारण अनाथ बच्चों को चार हजार प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जा रही है। किसानों की दुर्घटना में मौत या दिव्यांगता पर अधिकतम 5 लाख दिये जाएंगे। मेरठ, बहराइच, कानपुर, रामपुर और आजमगढ़ में एटीएस सेंटर का निर्माण कराया जायेगा। तीन महिला पीएसी बटालियन लखनऊ, गोरखपुर तथा बदायूं का गठन किया जा रहा है।

वाराणसी और गोरखपुर में शुरू होगी मेट्रो, कोविड से अनाथ बच्चों को चार हजार प्रतिमाह

जन-जन के विकास का बजट: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के यशस्वी नेतृत्व में उ.प्र. को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए डबल इंजन की भाजपा सरकार कार्य कर रही है। आज पेश हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में आत्मनिर्भरता एवं जन-जन के विकास का संकल्प है।

फोटो: सुमित कुमार

धार्मिक पर्यटन पर भी फोकस

बजट में राम जन्मभूमि मंदिर सड़क निर्माण के लिए 300 करोड़ प्रस्तावित है। अयोध्या में जनसुविधाओं और पार्किंग के लिए 209 करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया है। वाराणसी में गंगा तट से काशी विश्वनाथ तक सड़क के लिए 77 करोड़. बनारस और अयोध्या में पर्यटन सुविधा के लिए 100-100 करोड़ का प्रावधान किया गया है। वाराणसी में संत रविदास और संत कबीर संग्रहालय बनेगा। दोनों संग्रहालयों के लिए 25-25 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

विपक्ष की प्रतिक्रिया

बजट में जनपक्ष नदारद : अखिलेश

नेता प्रतिपक्ष और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शायराना अंदाज में सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने ट्वीट किया कि इस सरकार का कहने को ये बजट छठा है पर इसमें कुछ बढ़ा नहीं, सब कुछ घटा है। इसमें जनपक्ष नदारद, बस सरकारी विभागों का वारा-न्यारा है। दरअसल, ये बजट नहीं बंटवारा है।

घिसा-पिटा बजट: मायावती

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि यूपी सरकार का बजट प्रथमदृष्टया वही घिसा-पिटा व अविश्वनीय तथा जनहित एवं जनकल्याण में भी खासकर प्रदेश में छाई हुई गरीबी, बेरोजगारी व गड्ढायुक्त बदहाल स्थिति के मामले में अंधे कुएं जैसा है, जिससे यहां के लोगों के दरिद्र जीवन से मुक्ति की संभावना लगातार क्षीण होती जा रही है।

कल्याण सिंह के नाम पर ग्राम उन्नति योजना

यूपी में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के नाम पर ग्राम उन्नति योजना लाई गई है। इसके तहत गांवों की सड़कों पर सोलर लाइट लगाई जाएगी। बुंदेलखंड में ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर और अयोध्या में सूर्यकुंड का विकास होगा।

अन्य ऐलान

- प्रदेश के 14 मेडिकल कॉलेजों को 2100 करोड़।
- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए 600 करोड़।
- महिला सशक्तिकरण तथा कौशल विकास के लिए 20 करोड़।
- महिलाओं की सुरक्षा के लिए 523 करोड़ 34 लाख की व्यवस्था।
- माध्यमिक शिक्षा में 7540 और मेडिकल कॉलेजों में 10 हजार पदों पर होगी नियुक्ति।
- युवा अधिवक्ताओं के लिए 10 करोड़ इलाहाबाद हाईकोर्ट के लिए 705 करोड़।
- अधिवक्ता कल्याण निधि के लिए 90 करोड़
- अल्पसंख्यक समुदाय छात्रवृत्ति योजना में 795 करोड़।
- अरबी-फारसी मदरसों को 479 करोड़ का बजट ।
- मेरठ में मेजर ध्यानचन्द खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 50 करोड़।
- वाराणसी में अन्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की स्थापना के लिये भूमि क्रय के लिए 95 करोड़
- पीएम ग्राम सड़क योजना के लिए 7373 करोड़, प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के लिए 897 करोड़।
- कुंभ मेला प्रयागराज के लिए 100 करोड़, स्वच्छ भारत मिशन शहरी के लिए 1353 करोड़।
- पुलिस के आवासीय भवनों के लिये 800 करोड़, वनटांगिया और मुसहर आवास के लिए 508 करोड़।
- दो करोड़ स्मार्ट फोन और टेबलेट के लिए 1500 करोड़।

सिब्बल के पार्टी छोड़ने से फायदे में कांग्रेस

सोनिया ने खत्म की गांधी परिवार के नेतृत्व को चुनौती देने की गुंजाइश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस में लंबे अर्से से चल रही अंदरूनी उथल-पुथल के बीच उदयपुर चिंतन शिविर से लेकर 2024 चुनाव के लिए टास्क फोर्स बनाने तक पिछले दो हफ्ते में उठाए गए कदमों के जरिये सोनिया गांधी ने पार्टी में परिवार के नेतृत्व पर उठाए जा रहे सवालों को लगभग विराम दे दिया है। टास्क फोर्स का गठन कर जहां पार्टी में छायी गहरी निराशा को थामकर भविष्य की बड़ी जमीनी लड़ाई के लिए संगठन को तैयार करने का संदेश देने की कोशिश की है।

वहीं अहम मुद्दों पर सलाह-मशविरे के लिए राजनीतिक मामलों के समूह का गठन कर सामूहिक नेतृत्व की मांगों को नकार दिया है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब समेत पांच राज्यों के चुनाव में तीन महीने पहले कांग्रेस की करारी हार के बाद पार्टी में असंतोष के सुर तेज हुए थे और गांधी परिवार के नेतृत्व पर निशाना साधते हुए गंभीर सवाल उठाए गए थे। पार्टी में सामूहिक नेतृत्व की मांग जोर-शोर से उठाई गई, लेकिन पार्टी का अंदरूनी तूफान इतनी जल्दी कमजोर पड़ जाएगा, इसकी उम्मीद शायद कांग्रेसजन को भी नहीं थी। 12 मार्च को कांग्रेस कार्यसमिति की पहली बैठक बुलाकर पार्टी में बदलाव करने की घोषणा और चिंतन शिविर बुलाने का तत्काल एलान कर सोनिया ने इस तूफान को थामने की पहल शुरू कर दी थी। इस बीच ढाई महीने की सुलह-सफाई की कसरत के दौरान जी-23 समूह के नेताओं में सबसे ज्यादा जमीनी पकड़ रखने वाले हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को नेतृत्व ने साथ लिया। गांधी परिवार के नेतृत्व पर सीधे सवाल उठाने वाले जी-23 खेमे के सबसे मुखर नेता कपिल सिब्बल का पार्टी छोड़ने का फैसला भी कुछ इसी ओर इशारा कर रहा है। सिब्बल को उदयपुर चिंतन शिविर में न्योता देकर नेतृत्व ने सुलह का विकल्प जरूर दिया, मगर इस दिग्गज वकील को बखूबी मालूम था कि गांधी परिवार से नेतृत्व छोड़ने की मांग करने के बाद राज्यसभा में वापसी की उनके लिए गुंजाइश नहीं बची, इसीलिए उन्होंने अपनी नई राह चुन ली।

बदलावों की रूपरेखा रखी

चिंतन शिविर के लिए गठित छह समूहों में से एक कृषि-किसानों के मसले से जुड़े समूह का जिम्मा हुड्डा को ही सौंप दिया। उदयपुर चिंतन शिविर के पहले ही दिन कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलावों की रूपरेखा रख दी गई जिस पर पार्टीजनों ने हाथोंहाथ मुहर लगा दी। चिंतन शिविर में देशभर से जुटे पार्टी नेताओं के मूड को भांपते हुए ही सोनिया ने अपने समापन संबोधन में नेतृत्व को चुनौती देने के लिहाज से उठाई गई सामूहिक नेतृत्व की मांग को सीधे खारिज कर दिया। असंतुष्ट नेताओं को साधने के लिए अहम मसलों पर सलाह-मशविरे के लिए उन्होंने कार्यसमिति के सदस्यों का एक सलाहकार समूह बनाने की घोषणा की, मगर यह साफ कर दिया कि यह सामूहिक नेतृत्व जैसी व्यवस्था नहीं होगी और उनका फैसला ही अंतिम होगा।

तीन अरब की संपत्ति के मालिक है सिब्बल

सपा प्रत्याशी जावेद अली खां भी हैं करोड़पति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा के समर्थन से राज्यसभा के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन करने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के पास अरबों की संपत्ति है। रोचक बात यह है कि तीन लग्जरी कारों के मालिक सिब्बल के पास दो मोटरसाइकिल भी हैं। नामांकन में दाखिल शपथ पत्र के अनुसार, उनके पास 3,07,65,57,210 यानी तीन अरब से अधिक की चल संपत्ति है, जबकि उनकी पत्नी प्रोमिला सिब्बल के नाम से 68,46,32,760 रुपये की चल संपत्ति है। इसी तरह सिब्बल के पास 2802.33 लाख रुपये, जबकि उनकी पत्नी के पास 892.41 लाख रुपए कीमत की अचल संपत्ति है। पूर्व केंद्रीय मंत्री के पास 1,10,96,398 रुपये की वाहन हैं। इनमें तीन लग्जरी कारों के अलावा एक बुलेट बाइक और एक हीरोहोंडा है। शपथ पत्र के अनुसार उनके खिलाफ कोई मुकदमा दर्ज नहीं है और उन्होंने हार्वर्ड ला स्कूल कैंब्रिज से एलएलएम की शिक्षा ग्रहण की है। वहीं राज्यसभा सदस्य के लिए समाजवादी पार्टी से नामांकन करने वाले जावेद अली खां करोड़पति हैं और उनकी पत्नी के नाम भी करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्ति है। इससे पहले जावेद 26 नवंबर 2014 से 25 नवंबर 2020 तक सपा से ही राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं। जावेद अली खां यूपी के संभल जिले के निर्जापुर नसरुल्लापुर के रहने वाले हैं।

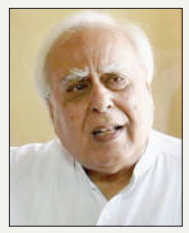

उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा व एमए इन पालिटिकल साइंस उस्मानिया यूनिवर्सिटी हैदराबाद से किया है। इनके पास लगभग 40.57 लाख रुपये व पत्नी के पास 46.90 लाख रुपये की चल संपत्ति है। जावेद के पास नकदी सिर्फ 30 हजार रुपये जबकि पत्नी के पास 50 हजार रुपये हैं। महेंद्र एसयूवी 500 वाहन है। पत्नी के पास 500 ग्राम सोना व दो किलोग्राम चांदी है। उनके पास 92 लाख रुपये की कृषि भूमि और 1.15 करोड़ रुपये मूल्य का भवन हैं। पत्नी के नाम भी आवासीय भवन है।

राज्य सभा : भाजपा की नजर आठ सीटों पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कोटे की 11 राज्यसभा सीटें चार जुलाई को रिक्त हो रही हैं। इनमें सात पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) प्रत्याशियों की तो तीन पर समाजवादी पार्टी (एसपी) की जीत तय है। आठवीं सीट के लिए दोनों दलों में जोड़तोड़ से वोटों का जुगाड़ करना है। भाजपा की नजर आठ सीटों पर है। दावेदारों के नामों पर चर्चा करते हुए पार्टी की कोर कमेटी ने तय किया है कि बीस नामों का पैनल संसदीय बोर्ड को भेजा गया है।

भाजपा कोर कमेटी की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह और प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल शामिल हुए। सूत्रों ने बताया

कि भाजपा कोर कमेटी की बैठक में राज्यसभा की आठ सीटों पर प्रत्याशी तय करने के लिए नामों पर चर्चा की गई। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जातीय-क्षेत्रीय समीकरण साधते हुए पार्टी प्रत्याशी तय करना चाहती है। दरअसल, राज्यसभा में उत्तर प्रदेश कोटे से कुल 31 सदस्य चुने जाते हैं। अगले माह जिन 11 सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पांच, समाजवादी पार्टी (सपा) के तीन, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के दो व कांग्रेस के एक सदस्य शामिल हैं।

प्रदेश में तत्काल लागू किए जाएं बिजली चोरी रोकने के उपाय : एके शर्मा

» ऊर्जा मंत्री के सख्त निर्देश, रोज हो रहा 80 करोड़ का घाटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में प्रतिदिन की जा रही विद्युत आपूर्ति और बिजली बिल वसूली के अंतर के कारण ऊर्जा विभाग को रोज 80 करोड़ का नुकसान हो रहा है। विधान सभा में प्रश्नकाल के दौरान सपा के इकबाल महमूद की ओर से किये गए अनुपूरक प्रश्न पर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने यह जवाब दिया। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग कई दशकों से घाटे में चल रहा है।

विभाग जितनी बिजली की आपूर्ति करता है, उतना पैसा वसूल नहीं पाता है। बिजली चोरी रोकने के उपायों को सख्ती से लागू कर हम लाइन हानि को 40 प्रतिशत से घटाकर 29 प्रतिशत तक ले आए हैं। इसमें अभी और कमी लाएंगे। उन्होंने बताया कि 5280 मेगावाट अतिरिक्त उत्पादन हो रहा है। पांच पावर स्टेशन पाइपलाइन में हैं। इनके बनने से बिजली उत्पादन क्षमता दोगुनी हो जाएगी। सपा के मनोज पारस की ओर से बड़े बकायेदारों पर नरमी और छोटे बकायेदारों के उत्पीड़न के सवाल पर ऊर्जा मंत्री ने तंज किया कि आप अपने बड़े लोगों को बता दीजिए कि हम उनके यहां भी पहुंचने वाले हैं। लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा है कि अंबेडकरनगर के कटेहरी क्षेत्र में अब बाईपास नहीं चार लेन सड़क बनाई जाएगी। सपा सदस्य लालजी वर्मा के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इस सड़क की अनुमानित लागत 100 करोड़ रुपये है। सड़क निर्माण के लिए सरकार के पास 22 से 24 मीटर जमीन उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पहले यहां बाईपास बनाने की घोषणा हुई थी लेकिन मया बाजार और गोसाईंगंज में नए बाईपास बनने के कारण अब कटेहरी में ट्रैफिक लोड कम हो गया है।

बेग़म यकीन मानिये मेरा किसी तेजो से कोई लेना देना नहीं है.

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

आजम खां के बेटे सहित करीबियों के मामले में 27 को होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जौहर अली विश्वविद्यालय ट्रस्ट से जुड़े करीब 55 से अधिक मामलों में आरोपी बनाए गए आजम खां के बेटे सहित उनके अन्य करीबियों के मामले में बुधवार को भी सुनवाई पूरी नहीं हो सकी। कोर्ट ने मामले में पहले से पारित अंतरिम आदेशों को अगली सुनवाई तक बरकरार रखते हुए सुनवाई के लिए 27 मई की तिथि तय की है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी की पीठ कर रही थी। याचियों की ओर से याचिका में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई है। मामला जौहर अली विश्वविद्यालय ट्रस्ट से जुड़ा हुआ है। सरकार ने आजम खां के साथ उनके बेटे अदीब आजम सहित ट्रस्ट और विश्वविद्यालय के प्रबंधतंत्र से जुड़े लोगों को अलग-अलग मामलों में आरोपी बनाया है। बुधवार को याची के अधिवक्ता की ओर से बहस शुरू की गई लेकिन कोर्ट ने आज के दिन की सुनवाई टालते हुए 27 मई की तिथि लगा दी।

सदन में भी दिख रही शिवपाल की अखिलेश से नाराजगी!

» अपने ही विधायकों के साथ नहीं बैठना चाहते प्रसपा प्रमुख

» वरिष्ठता के आधार पर की नई सीट की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चाचा शिवपाल यादव की अपने भतीजे और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से नाराजगी अब हर कदम पर दिखने लगी है। चाचा-भतीजे के बीच दूरियां कितनी बढ़ गई हैं इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि शिवपाल अब सदन में सपा विधायकों के साथ भी नहीं बैठना चाहते। शिवपाल ने इसको लेकर विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना को पत्र लिखा है और सदन में अपनी सीट बदलवाने की मांग की है। पत्र में शिवपाल यादव ने विधान सभा अध्यक्ष से अपील की है कि उनकी वरिष्ठता को देखते हुए उन्हें दूसरी सीट दी जाए।

इस बार सदन शुरू होने से पहले ही सभी विधायकों की सीट तय कर दी गई थी, लेकिन शिवपाल को अपनी सीट पसंद नहीं आ रही है। जानकारी के लिए बता दें कि प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव की सीट के बगल में सपा विधायक अब्दुल्ला आजम और मनोज पारस की सीटें हैं। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि शिवपाल यादव के अलावा समाजवादी पार्टी के 12 और विधायकों ने भी अपनी सीट बदले जाने की मांग रखी है। उनका कहना है कि जो सीट उन्हें अलॉट की गई है वहां बैठने में उन्हें तकलीफ हो रही है। गौरतलब है कि दो दिन पहले शिवपाल सिंह यादव व आजम खां की गोपनीय बैठक हुई। शिवपाल आजम के सरकारी आवास पहुंचे थे। दोनों के बीच करीब आधे घंटे तक चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि आजम व शिवपाल ने राज्यसभा चुनाव से लेकर मौजूदा सत्र पर चर्चा की। शिवपाल सिंह यादव, आजम खां को लेकर अखिलेश यादव के साथ ही मुलायम सिंह यादव पर भी हमलावर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि आजम को जेल से निकलवाने के लिए सपा ने पूरा प्रयास नहीं किया। इस बातचीत को आजम खां की नाराजगी की चर्चाओं के लिहाज से अहम माना जा रहा है लेकिन दोनों ने मंत्रणा के संबंध में कुछ भी कहने से इनकार किया है। विधान सभा में प्रवेश करते वक्त आजम खां ने भी किसी तरह की नाराजगी से इनकार किया। मुलायम सिंह यादव से बातचीत होने के सवाल पर उन्होंने सधे अंदाज में तंज कसा। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि उनके पास हमारा फोन नंबर न हो। आजम खां के दोपहर बाद सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव से मुलाकात की चर्चा थी, लेकिन वह बिना मिले लौट गए। आजम के नजदीकी लोगों का कहना है कि उनकी सेहत ठीक नहीं थी।

अखिलेश के पीछ वाली रो में शिवपाल

शिवपाल यादव ने सपा सिंबल पर चुनाव लड़ा और जीता था। ऐसे में वह प्रसपा नहीं, सपा विधायक हैं इसलिए सीट भी सपाइयों के साथ ही मिली है। उनकी सीट भतीजे अखिलेश के पीछे वाली रो में है।

क्यों फिक्स की गईं विधायकों की सीटें

उत्तर प्रदेश विधान सभा को अब पेपरलेस कर दिया गया है यानी अब वहां कागज पर कोई काम नहीं होता। काम के लिए टैबलेट लगाए गए हैं। हर सीट पर विधायकों के नाम के टैबलेट फिक्स किए गए हैं, जो केवल उनके लॉग-इन, फिंगर प्रिंट और पासवर्ड से ही खुलेंगे। सीटें अगर बदली जाती हैं तो टैबलेट भी हटाने पड़ेंगे।

अखिलेश में मुलायम सिंह वाले गुण नहीं

प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव ने बीते दिनों पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को निशाने पर लेते हुए कहा था कि सपा प्रमुख ने उन्हें विधायक दल या गठबंधन की बैठक में नहीं बुलाया जबकि वे सपा में ही थे। शिवपाल कहते हैं कि अखिलेश में मुलायम सिंह यादव वाले गुण नहीं हैं। व्यक्तिगत स्तर की बात करें तो बहुत सारी ऐसी चीजें है, जो कही जा सकती है, लेकिन उस पर बात करना ठीक नहीं होगा। शिवपाल यादव ने बताया कि जब चुनाव के दौरान गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही थी तो मेरी तरफ से कहा गया था कि मैं गठबंधन सहयोगी के तौर पर नहीं बल्कि सपा के टिकट पर चुनाव लड़ लूंगा। अपनी पार्टी को मात्र एक टिकट मिलने के विषय पर उन्होंने कहा कि अगर मैं महत्वाकांक्षी होता तो उस समय ही समाजवादी पार्टी छोड़ देता।

फिर विकास की जमीनी हकीकत परखेंगे योगी के मंत्री, जनता से करेंगे संवाद

» 10 जून से फिर करेंगे मंडलों का दौरा, मंत्रियों के मंडलों में भी किया गया बदलाव

» लोक सभा चुनाव के पहले कल्याणकारी योजनाओं की गति का करेंगे निरीक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में लगातार दूसरी बार प्रचंड बहुमत से लौटी भाजपा सरकार ने कामकाज पर अपना फोकस तेज कर दिया है। लोक सभा चुनाव को देखते हुए योगी सरकार के मंत्री एक बार फिर जनता से सीधे संवाद करेंगे और विकास व जनकल्याणकारी योजनाओं का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करेंगे। दौरा पूरा होने के बाद इसकी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को दी जाएगी।

विकास व जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए योगी सरकार के मंत्री 10 जून से फिर मंडलों का दौरा करेंगे। दूसरे चरण के दौरे के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों के मंडलों में बदलाव भी किया है। मंत्री समूह 10-12 जून और फिर 17-19 जून तक मंडलों में रहेंगे। इस दौरान वे जनता से सीधे संवाद करते हुए विकास परक एवं कल्याणकारी योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे। सूत्रों का कहना है कि इस बार मंत्रियों का मंडल इसलिए बदला गया है ताकि पिछले दौरे में मंत्री समूह ने जो फीडबैक दिए हैं उसकी वास्तविकता भी परखी जा सके। पिछले दिनों पीएम नरेंद्र मोदी ने लखनऊ प्रवास के दौरान मंत्रियों के साथ संवाद में मंडलीय दौरे का फीडबैक लिया था और सरकार की इस पहल की तारीफ की थी। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को भेजे पत्र में कहा है कि मंत्री समूह के भ्रमण से न सिर्फ जनता के मन में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ेगा बल्कि जनता से प्राप्त सुझावों से सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों को और प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी। मंडल बदलने के पीछे सरकार की मंशा है कि एक ही मंडल में डेढ़ से दो माह के अंदर अलग-अलग मंत्री समूहों के निरीक्षण से फीडबैक भी चेक हो सकेंगे और पहली की रिपोर्ट के आधार पर हुए बदलावों की निष्पक्ष जांच हो सकेगी। सूत्रों ने बताया कि मंत्री इस बार दो चरण में दौरे को अंजाम देंगे।

इनको मिली जिम्मेदारी

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को अयोध्या मंडल और बृजेश पाठक को प्रयागराज मंडल का जिम्मा सौंपा गया है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह को गोरखपुर, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही को लखनऊ, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को मेरठ, महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य को बस्ती, पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद को मुरादाबाद और पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह को कानपुर मंडल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मत्स्य विकास मंत्री संजय निषाद को चित्रकूट, औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल नंदी को झांसी, प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल को सहारनपुर, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान को विंध्याचल, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय को आजमगढ़, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को वाराणसी, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर को देवीपाटन, ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को अलीगढ़, पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र चौधरी तथा गन्ना विकास मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी को बरेली मंडल की जिम्मेदारी दी गई है।

2024 में होगा लोक सभा चुनाव

भाजपा की नजर अब लोक सभा चुनाव पर है। वह इसकी तैयारी में कोई कोर-कसर छोड़ने को तैयार नहीं है। यही वजह है कि वह न केवल पार्टी के संकल्प पत्र में किए गए वादों को पूरा करने पर जोर दे रही है बल्कि उसकी जमीनी हकीकत को भी परख रही है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूपी के विकास पर नजर रखे हुए हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्रदेश में घटता भूजल खतरे की घंटी

मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा, बागपत, शामली, बुलंदशहर और हापुड़ में तेजी से भूजल स्तर घट रहा है। भूमिगत जल दोहन में मेरठ प्रदेश में अव्वल है। जहां लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, प्रयागराज, आगरा जैसे महानगरों में भूजल का स्तर 50 से 95 सेमी. की दर से गिरा है वहीं मेरठ में यह प्रत्येक वर्ष एक मीटर गिर रहा है।

विधान सभा में प्रश्न काल के दौरान एक सवाल के जवाब में प्रदेश सरकार ने बताया कि 2016-20 के बीच लखनऊ शहर के भूजल स्तर में प्रतिवर्ष औसतन 89 सेंटीमीटर की गिरावट दर्ज की गयी है। सरकार की यह स्वीकारोक्ति भले ही राजधानी को लेकर की गयी हो लेकिन यह हालात पूरे राज्य के हैं। भूजल के अंधाधुंध दोहन के कारण हालात बदतर होते जा रहे हैं और कई इलाकों के डार्क जोन में जाने का खतरा बढ़ गया है। यदि यही हाल रहा तो प्रदेशवासी बूंद-बूंद पानी को तरस जाएंगे। सवाल यह है कि प्रदेश में भूजल स्तर में लगातार गिरावट क्यों हो रही है? भूजल के अंधाधुंध दोहन पर रोक लगाने में सरकार नाकाम क्यों है? भूजल संरक्षण के लिए बनाए गए एक्ट का पालन क्यों नहीं हो रहा है? रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कागजों पर दम क्यों तोड़ रहा है? क्या विकास के नाम पर भूमि के नीचे के पानी के खजाने को खत्म करने की छूट दी जा सकती है? क्या सरकार और संबंधित संस्थाएं हालात के भयावह होने का इंतजार कर रही हैं?

प्रदेश में सबसे खराब हालत पश्चिमी यूपी की है। कटते पेड़ और हाईवे के बिछते जाल के बीच यहां भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है। मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा, बागपत, शामली, बुलंदशहर और हापुड़ में तेजी से भूजल स्तर घट रहा है। भूमिगत जल दोहन में मेरठ प्रदेश में अव्वल है। जहां लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, प्रयागराज, आगरा जैसे महानगरों में भूजल का स्तर 50 से 95 सेमी. की दर से गिरा है वहीं मेरठ में यह प्रत्येक वर्ष एक मीटर गिर रहा है। कानपुर के शहरी क्षेत्र में भूजल स्तर हर साल 50 सेमी. की औसत से नीचे जा रहा है। यहां के चार विकासखंड ऐसे हैं जहां पेयजल स्रोत सूख चुके हैं। सरसौल और घाटमपुर क्रिटिकल जोन में हैं जबकि चौबेपुर-कल्याणपुर डार्क जोन में हैं। भूजल स्तर में गिरावट का मुख्य कारण इसका अंधाधुंध दोहन है। लखनऊ समेत तमाम शहरों में सब मर्सिबल पंप से भूमिगत जल निकाला जा रहा है। वहीं पेड़ों की कटाई और कुओं-तालाबों की कमी के कारण जलसंरक्षण की प्राकृतिक प्रक्रिया बाधित हो गयी है। सरकार ने प्रदेश ग्राउंड वाटर (मैनेजमेंट एंड रेगुलेशन) एक्ट-2019 लागू किया है। इसके तहत सभी सरकारी, अर्धसरकारी, सरकारी सहायताप्राप्त और निजी भवनों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य किया गया है लेकिन इसका पालन नहीं हो रहा है। जब लखनऊ में यह हाल है तो अन्य शहरों का अंदाजा लगाया जा सकता है। यदि सरकार संरक्षण करना चाहती है तो उसे न केवल भूमिगत जल के दोहन पर नियंत्रण लगाना होगा बल्कि वाटर रिचार्जिंग के लिए जरूरी योजना बनाकर उसे अमल में लाना होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भाजपा का बढ़ता सियासी प्रभाव

प्रभु चावला

हर आंदोलन का नियंत्रक, उद्देश्य और आवेग होता है। जब इसकी गति तेज हो जाती है तो वह कई समानांतर तत्वों को आकर्षित करता है, प्रभावित करता है। भाजपा का राजनीतिक अभियान ऐसा ही है, जिसने मोदी के शक्तिशाली नेतृत्व के द्वारा भारत में वर्चस्व स्थापित कर लिया है। मोदी इसके विचार और विचारधारा दोनों हैं तथा उनके समकक्ष कोई नहीं है। उनके आकर्षण और अमित शाह जैसे वफादार सेनापति के दृढ़ निश्चय ने भाजपा को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बना दिया है, जिसके 16 करोड़ से अधिक सदस्य हैं। उनकी पार्टी में अन्य दलों के लगातार विलय और दूसरे दलों से नेताओं के शामिल होते जाने को लेकर मोदी के प्रशंसक भी अचरज में हैं।

पुराने केसरिया समर्थक विचारों के घालमेल होने से परेशान हैं, पर भाजपा के सूत्रधारों के लिए नये लोगों का आना खेल के लिए निर्णायक है। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़, जो मजबूत जाट नेता बलराम जाखड़ के बेटे हैं, को भाजपा में शामिल किया गया है, जहां पार्टी के पास नेतृत्व का अभाव है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों के अलावा क्षेत्रीय स्तर पर भाजपा के पास आकर्षक व प्रभावी नेता नहीं हैं। उसके पास मूल रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्पित कार्यकर्ता ही हैं। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित होने के साथ ही मोदी ने दूसरे दलों से लोगों को लाने का पहला चरण शुरू कर दिया क्योंकि भाजपा का प्रभाव कुछ राज्यों तक सीमित था। उन्होंने कई पूर्व मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों, अहम जातिगत नेताओं, गणमान्य लोगों तथा सेवानिवृत्त नौकरशाहों को सम्मान के साथ स्थान दिया। तब से भाजपा में जगह पाने के लिए जीतने की क्षमता होना जरूरी योग्यता है, ठोस विचारधारात्मक प्रतिबद्धता नहीं पर चयन प्रक्रिया कठिन है। साथ ही उनमें अपनी पुरानी पार्टी से योग्य लोगों को खींच लाने तथा पुराने भाजपाइयों व नये लोगों के बीच कड़ी बनने की क्षमता भी होनी चाहिए। इस प्रयोग को असम में शानदार कामयाबी मिली, जहां 2016 के चुनाव से ठीक पहले तेजतर्रार कांग्रेस नेता हेमंत बिस्वा सरमा को भाजपा में शामिल किया गया था। सरमा के पास संसाधन तो थे ही, पूर्वोत्तर की छोटी पार्टियों से भी उनका जुड़ाव था। उन्होंने अतिवाद और धार्मिक कट्टरपंथ से ग्रस्त पूर्वोत्तर के अधिकतर राज्यों में भाजपा की जीत सुनिश्चित की। केंद्रीय मंत्री बनाने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री का पद देकर

पुरस्कृत किया गया। कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई ने अपना राजनीतिक करियर जनता दल से शुरू किया था और 2008 में भाजपा में आये थे। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू पूर्व कांग्रेसी हैं और उन्होंने 2016 में केसरिया चोला पहना था। मणिपुर के बीरेन सिंह ने भी अपना राजनीतिक जीवन कांग्रेस में शुरू किया था और वे मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भाजपा में आये। आश्चर्यजनक रूप से भाजपा ने अपने सबसे युवा मुख्यमंत्री बिप्लब देब को हटा कर 69 साल के पूर्व कांग्रेसी माणिक साहा को त्रिपुरा का मुख्यमंत्री बना दिया, जो 2016 में शामिल हुए थे। एडीआर के एक अध्ययन के अनुसार, 2014 से 2021 के बीच भाजपा के 500 संसदीय या विधानसभाई उम्मीदवारों में से 35 प्रतिशत दूसरे दलों से आये थे। लगभग हर चौथे भाजपा सांसद या विधायक की पृष्ठभूमि कांग्रेसी है। कुछ राज्यों में आधे मंत्री कभी भाजपा के धुर आलोचक थे। विपक्ष शासित पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भी 2019 में भाजपा को बड़ी कामयाबी मिली थी। विपक्ष के आकलन के अनुसार, भाजपा महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, असम, बंगाल, हरियाणा, छत्तीसगढ़, बिहार, कर्नाटक और झारखंड में 75 से 100 सीटें हार सकती है। ऐसे में उसके सामने बहुमत बचाने की चुनौती है। उसे 2024 में तीसरी मोदी लहर की अपेक्षा है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश में सौ से अधिक सीटें हैं, जिनमें भाजपा अधिक से अधिक आधा दर्जन हासिल कर सकती है इसीलिए तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल में सत्ताधारी व क्षेत्रीय दलों को तोड़ने की कोशिश हो रही है। भाजपा ने महाराष्ट्र में एनसीपी और कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं की सूची बनायी है। छत्तीसगढ़ में भाजपा के पास रमन सिंह का कोई प्रभावी विकल्प नहीं है। वहां वह स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव को लुभाने में लगी है, जो मुख्यमंत्री नहीं बनाये जाने से रुष्ट हैं। भाजपा के रणनीतिकार मुस्लिम और ईसाई आबादी को छोड़कर शेष 80 प्रतिशत को लामबंद करने के प्रयास में है। यह स्पष्ट है कि भाजपा के भौगोलिक विस्तार का मुख्य कारण गांधी परिवार के नेतृत्व में कांग्रेस का सिमटते जाना है अगर मोदी-शाह का राजनीतिक अभियान अबाध चलता रहा, तो भाजपा भारत का नया इंद्रधनुषी कैनवास बनेगी, जिसके शीर्ष पर पूर्ण केसरिया रंग रहेगा इसमें दूसरे दलों से नेताओं की भरमार होगी।

क्वाड समूह की बढ़ती प्रासंगिकता

धनंजय त्रिपाठी

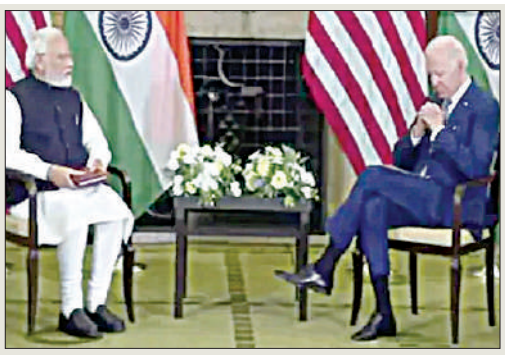

जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित क्वाड समूह (भारत, अमेरिका, जापान एवं ऑस्ट्रेलिया) का शिखर सम्मेलन कई अर्थों में महत्वपूर्ण है। यह दूसरा अवसर है, जब चारों देशों के नेताओं ने आमने-सामने बैठकर विचार-विमर्श किया है। पिछले साल सितंबर में अमेरिका में ऐसी बैठक हुई थी। कुल मिलाकर, यह क्वाड का चौथा शिखर सम्मेलन है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता, जलवायु परिवर्तन, महामारी की रोकथाम के उपायों जैसे बुनियादी मुद्दों पर चर्चा के साथ इस बार आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए भी ठोस पहल हुई है। इसके तहत आर्थिक फोरम बनाने की घोषणा की गयी है। इस पहल से बहुत लंबे समय तक क्वाड का औचित्य और महत्व बना रहेगा।

एक ओर कोविड महामारी से उत्पन्न स्थितियों से क्वाड सदस्यों तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों की अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां पैदा हुई हैं, वहीं दूसरी ओर चीन इस क्षेत्र में अपने वर्चस्व को स्थापित करने के निरंतर प्रयत्नशील है। यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि क्वाड या इसके तहत बनाया जा रहा आर्थिक फ्रेमवर्क चीन-विरोधी कदम नहीं है। इस फ्रेमवर्क के चार प्रमुख बिंदु हैं। इसमें मुक्त और खुले व्यापार की बात कही गयी है। आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर करने का उद्देश्य रखा गया है ताकि कुछ जगहों पर केंद्रित होने के बजाय अलग-अलग देशों से आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। आज दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन और धरती का बढ़ता तापमान सबसे बड़ी समस्याओं में एक है। आर्थिक फ्रेमवर्क में सतत विकास के लिए ऊर्जा उपलब्धता बढ़ाने तथा कार्बन उत्सर्जन खत्म करने का संकल्प किया गया है। चौथा बिंदु कराधान प्रणाली को दुरुस्त करना और भ्रष्टाचार को रोकना है। उल्लेखनीय है कि जब क्वाड शिखर सम्मेलन में आर्थिक फ्रेमवर्क की घोषणा हुई तो, समूह के चार सदस्यों के अलावा कई देशों के प्रतिनिधि भी वहां उपस्थित थे।

मेरा मानना है कि यह पहल हिंद-प्रशांत क्षेत्र के भविष्य को निर्धारित करने में निर्णायक भूमिका निभायेगी। अभी तक क्वाड को सामरिक दृष्टि से ही देखा जाता था। अब इसमें आर्थिक आयाम भी जुड़ गया है। दूसरी अहम बात है कि इस पहल के 50 अरब डॉलर के कोष की घोषणा हुई है, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में खर्च किया जायेगा। यह राशि किस तरह से खर्च की जायेगी, यह तो अभी देखना बाकी है, पर काफी समय से चीन की बेल्ट-रोड परियोजना के बरक्स एक वैकल्पिक इंफ्रास्ट्रक्चर पहल की बात हो रही थी और अब वह साकार होती दिख रही है अगर हम इस शिखर सम्मेलन को भारत की दृष्टि से देखें, तो अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारत को बहुत अधिक महत्व दिया है और कहा है कि वे भारत के साथ बेहद गहरे संबंधों के आकांक्षी हैं। इस बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय भूमिका को फिर से रेखांकित किया गया है। इससे स्पष्ट है कि अमेरिका और अन्य सदस्य देश भारत की भावी भूमिका को भी समझ रहे हैं। कुछ विश्लेषकों का आकलन था कि रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत का जो रूख रहा है, उसका असर क्वाड समीकरण पर भी पड़ सकता है। इस बैठक में ऐसे आकलन गलत साबित हुए हैं। वैसे तो क्वाड के किसी दस्तावेज या घोषणा में यह नहीं कहा गया है कि यह कोई चीन-विरोधी पहल है, पर चीन क्वाड पर लगातार सवाल उठाता रहा है। इस लिहाज से भी देखा जाए तो जो बदलती हुई विश्व राजनीति है, उसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र और क्वाड की बड़ी भूमिका होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस सकारात्मकता को रेखांकित किया है।

उनका कहना उचित है कि क्वाड ने बहुत कम समय में अपनी सार्थकता स्थापित की है और यह सबकी बेहतरी के एजेंडे के साथ अग्रसर है। उन्होंने भारत की भूमिका को भी स्थापित किया है तथा यह आश्वासन भी दिया है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत हर संभव सहयोग देगा। इस सम्मेलन ने अनेक ऐसे आलोचकों को भी जवाब दे दिया है, जो यह मानते थे कि क्वाड का अस्तित्व अधिक समय तक नहीं रह सकेगा पर जैसी चर्चाएं हुई हैं और जो घोषणाएं की गयी हैं, वे स्पष्ट इंगित कर रही हैं कि यह समूह न केवल बना रहेगा बल्कि इसके साथ कई और देशों के जुड़ने की संभावनाएं भी पैदा हुई हैं।

सामुद्रिक सुरक्षा और निर्बाध व्यापार को सुनिश्चित करने के साथ शुरू हुए क्वाड के एजेंडे में वे सभी बड़े मुद्दे शामिल होते जा रहे हैं, जो न केवल हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए, बल्कि समूची दुनिया के लिए चिंता के कारण हैं। इस शिखर बैठक में आर्थिक दृष्टि से जो निर्णय हुए हैं, वे क्वाड समूह को निश्चित ही स्थायित्व प्रदान करेंगे। सुरक्षित सामुद्रिक मार्गों का नक्शा बनाने का प्रस्ताव भी आगे बढ़ा है। जैसा कि पहले उल्लेख किया है कि आर्थिक फ्रेमवर्क की बैठक में कई देश शामिल हुए हैं। इसका सीधा मतलब है कि क्वाड की प्रासंगिकता और स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। जब इस फ्रेमवर्क की रूप-रेखा सामने आयेगी और इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की योजनाओं का खुलासा होगा तो कई और देश भी सहभागिता करना चाहेंगे।

जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया है, क्वाड ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता सुनिश्चित किया है। यह भूमिका आगामी दिनों में बेहद अहम होगी क्योंकि वैश्विक भू-राजनीति में परिवर्तन हो रहा है।

महिलाएं अखण्ड सौभाग्य के लिये करती हैं वट सावित्री व्रत

ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या को वट सावित्री व्रत रखा जाता है। इसमें वट वृक्ष की पूजा की जाती है। इस व्रत को बरगदाही व्रत भी कहते हैं। महिलाएं यह व्रत अखण्ड सौभाग्य के लिये करती हैं। इस व्रत में उपवास रखते है। ये व्रत सावित्री द्वारा अपने पति को पुनः जीवित करने की स्मृति के रूप में रखा जाता है। वट वृक्ष को देव वृक्ष माना जाता है। इसकी जड़ों में ब्रम्हाजी, तने में विष्णुजी का और डालियों और पत्तियों में भगवान शिव का वास माना जाता है। वट वृक्ष की पूजा से दीर्घायु, अखण्ड सौभाग्य और उन्नति की प्राप्ति होती है।

वृक्ष पूजा की तिथि व समय

अमावस्या तिथि 29 मई को दिन में दोपहर 2:54 बजे से प्रारम्भ हो कर 30 मई को सायंकाल 4.59 बजे तक है। वट वृक्ष पूजन करना श्रेष्ठ है। वट सावित्री व्रत के दिन काफी अच्छा संयोग बन रहा है। इस दिन शनि जयंती होने के साथ खास योग भी बन रहा है। इस दिन सुबह 7:12 से सर्वार्थ सिद्धि योग शुरू होकर 31 मई सुबह 5: 08 बजे तक रहेगा। सोमवार को होने से स्नान दान श्राद की सोमवती अमावस्या का भी संयोग है इस खास योग में पूजा करने से फल कई गुना अधिक बढ़ जाएगा। आचार्य शक्तिधर त्रिपाठी ने बताया कि वट सावित्री व्रत हर साल कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को रखा जाता है। इस साल यह तिथि काफी महत्वपूर्ण है। क्योंकि कई साल बाद 30 मई को सोमवती अमावस्या का शुभ संयोग बन रहा है। मान्यता है कि वट सावित्री व्रत के दौरान विधि-विधान से पूजा करने से पूजा का फल पूरा मिलता है।

ऐसे करें व्रत

आचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि प्रातःकाल स्नान आदि के बाद बांस की टोकरी में सप्त धान्य रख कर ब्रह्मा जी की मूर्ति की स्थापना कर फिर सावित्री की मूर्ति की स्थापना करते है और दूसरी टोकरी में सत्यवान और सावित्री की मूर्तियों की स्थापना करके टोकरी को वट वृक्ष के नीचे जाकर ब्रह्मा तथा सावित्री के पूजन के बाद सत्यवान और सावित्री की पूजा करके बड़ (बरगद) की जड़ में जल देते है। पूजा में जल, मौली, रोली, कच्चा सूत, भीगा चना, फूल तथा धूप से पूजन करते है। वट वृक्ष पूजन में तने पर कच्चा सूत लपेट कर 108 परिक्रमा का विधान है किन्तु न्यूनतम सात बार परिक्रमा अवश्य करनी चाहिए।

वट सावित्री व्रत महत्व

मान्यता है कि वट वृक्ष की पूजा करने से लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य का फल प्राप्त होता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन सावित्री अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस लाई थी। तभी से महिलाएं इस दिन पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं।

व्रत पूजन सामग्री

वट सावित्री व्रत की पूजन सामग्री में सावित्री-सत्यवान की मूर्तियां, धूप, दीप, घी, बांस का पंखा, लाल कलावा, सुहाग का समान, कच्चा सूत, चना (भिगोया हुआ), बरगद का फल, जल से भरा कलश आदि शामिल करना चाहिए।

हंसना मना है

संता एक डॉक्टर के पास गया और उस से पूछा संता- डॉक्टर साहब, घर जाकर चेक करने की क्या फीस है? डॉक्टर ने कुछ सोचा और बोला 300 रुपए। संता- ठीक है, तो चलिए। इतना सुनते ही डॉक्टर ने अपनी बाइक निकाली और संता के साथ उसके घर जा पहुंचा। वहां पहुंच कर डॉक्टर ने पूछा- मरीज किधर है? संता- अरे मरीज वरीज कोई नहीं है पागल, टैक्सी वाला 500 रुपए मांग रहा था और तू 300 में ले आया!

डॉक्टर मरीज से- अगर तुम मेरी दवा से ठीक हो गए तो मुझे क्या इनाम दोगे? मरीज- साहब मैं तो बहुत गरीब आदमी हूं कब्र खोदता हूं..... आपकी फ्री में खोद दूंगा।

संता बड़ा परेशान था, बेचारे की शादी जो नहीं हो रही थी। हर बार शादी होते होते टूट जाती। सारे दोस्तों से पूछ लिया, लेकिन कोई समाधान नहीं मिला। बेचारा एक दिन एक पंडित जी के पास पहुंच गया और बोला- पंडित जी कोई उपाय बताए मेरी शादी नहीं हो रही हमेशा टूट जाती है। पंडित जी ने कहा- शादी हो जाएगी, लेकिन सबसे पहले तुम लोगो से सदा सुखी होने का आशीर्वाद लेना बंद करो।

संता (पेट्रॉल पंप पर)- अरे भाई, जरा एक रुपए का कार में डीजल डाल दो... सेल्समैन- भाई , इतना डीजल डलवाकर जाना कहां है ? संता- अरे यार, कहीं नहीं जाना हम तो ऐसे ही पैसे उड़ाते रहते हैं..!!

कहानी: कंजूस राजा

बहुत समय पहले की बात है। किसी राज्य में एक कंजूस राजा रहता था। वह किसी को कुछ न देता। हां, नाराज होता तो दंड अवश्य देता। एक बार राजा की इच्छा पुराण सुनने की हुई। एक ब्राह्मण को पता चला तो वह राजा के पास गया और कहा, महाराज, मैं आपको पुराण सुनाऊंगा। ब्राह्मण को भ्रम था कि राजा उसको काफी धन देगा। राजा ने कहा, मुझे तुम्हारा प्रस्ताव स्वीकार है। ब्राह्मण एक वर्ष तक निरंतर पुराण सुनाने के लिए राजभवन जाता रहा। जब कार्यक्रम समाप्त होने को आया तो ब्राह्मण ने कहा, महाराज, अब हमें शांति पाठ करना चाहिए। राजा पूजा के समय महल में आकर बैठ गया। साथ में न पूजा की सामग्री थी न दान दक्षिणा। पूजा की सारी व्यवस्था ब्राह्मण ने खुद की। जब पूजा समाप्त हुई तो ब्राह्मण ने राजा से दक्षिणा मांगी। राजा ने मंत्री को बुलाकर कहा, पंडित जी को खजाने से तीन रुपये दे दो। पंडित आश्चर्यचकित रह गया। बेचारे ने एक वर्ष घर-बार छोड़कर अपने खर्च से पुराण कथा की थी। उसके पास जो कुछ धन था, वह सब भी खर्च हो गया था। पूजा-पाठ का सामान भी अपने पैसों से लाया था। इतना सबकुछ करने के बाद राजा सिर्फ तीन रुपये दे रहा था। ब्राह्मण यह सोचकर बड़ा दुखी हुआ, 'घर में बाल-बच्चों का क्या होगा?' पर कोई चारा न देख ब्राह्मण तीन रुपये लेने मंत्री के साथ खजांची के पास गया। खजांची ने ब्राह्मण से कहा, पंडित जी अब तो खजाना बंद हो गया है अगर अब मैं खजाना खोलूंगा तो मुझे एक रुपया देना होगा। ब्राह्मण हैरान रह गया। पर उसने कहा ठीक है। खजांची दो रुपये ब्राह्मण के हाथ में रखने लगा तो मंत्री ने कहा, देखिए पंडित जी, मैं आपको यहां तक लेकर आया। खजांची से रुपये दिलवाए। इस कार्य के लिए आपको मुझे एक रुपया देना होगा। एक रुपया मंत्री को देकर अपनी तकदीर को कोसता हुआ ब्राह्मण राजमहल पहुंचा। अपनी गरीबी तथा राजा के व्यवहार के बारे में सोचते-सोचते वह बहुत दुखी हो रहा था। सामने एक छुरी रखी थी। ब्राह्मण ने छुरी से अपने आपको मारने का प्रयत्न किया। रानी ने भवन की खिड़की से यह सबकुछ देख लिया और उसने ब्राह्मण को अपने पास बुलाकर सब बातें पूछीं, फिर कहा, महाराज, आप ब्राह्मण हैं। आपको आत्महत्या करना शोभा नहीं देता। रानी ने ब्राह्मण को कुछ धन दिया और कहा कि इसे अपने घर भिजवा दीजिए। इससे ब्राह्मण बहुत खुश हुआ फिर रानी ने ब्राह्मण से कहा कि आप थोड़ी देर यहीं ठहरें। रानी कुछ देर बाद वापस आई और ब्राह्मण को एक आंख जैसी आकार की वस्तु दी। और कहा, अब आप इसे लेकर दरबार में जाएं। आपको अपने प्रश्न का उत्तर मिल जाएगा। दरबार में आप इस पत्थर की आंख को अपने नेत्रों पर लगाकर देखिएगा। ब्राह्मण नेत्र की आकृति वाले पत्थर को लेकर दरबार में चला गया। उसन वैसा ही किया जैसा रानी ने कहा था। उसने देखा, सिंहासन पर राजा के स्थान पर भयंकर राक्षस बैठा था। और इसी तरह दरबारियों के स्थान पर अनेक छोटे राक्षस दिखाई दिए। इस दृश्य को देखकर ब्राह्मण बहुत डरा और तुरंत वापस चला गया। उसे यूं लौटता देखकर रानी हंस पड़ी। उसने कहा, ब्राह्मण देवता आपने देख लिया न, राजदरबार में बैठे सभी लोग सच्चे मनुष्य नहीं हैं। वे मनुष्य के रूप में दानव हैं। उनमें मानवता नहीं है। उनमें दया, धर्म, सत्य अहिंसा लेशमात्र भी नहीं है। उन्हें मनुष्य कैसे कहा जाए? इसलिए आप अधिक परेशान न हों, शांत मन से घर जाइए। इतना कह कर रानी ने ब्राह्मण को धन-संपत्ति देकर आदरपूर्वक विदा किया।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज का दिन उत्कृष्ट परिणामदायक है। परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से नौकरी की तलाश करने वाले या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक लोगों को सतत प्रयास करने चाहिए।

वृषभ
आज परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। सोशियोलॉजी स्टूडेंट्स के लिए दिन फेवरेबल रहने वाला है। आप अपना समय अध्ययन में लगायेंगे।

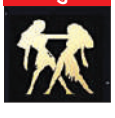

मिथुन
इस राशि के छात्र संगीत से जुड़े हुयें हैं आज उन्हें किसी बड़ी संस्था में परफॉर्म करने का अवसर मिल सकता है। नयी परियोजनाओं और खर्चों को टाल दें। गप्पबाजी और अफवाहों से दूर रहें।

कर्क
व्यावसायिक उद्यम लाभ ला सकते हैं। व्यापार में आपको बड़ी सफलता मिलेगी। नवीन सौदे लाभदायक रहेंगे और मददगार लोग आपको किसी भी मुश्किल पैच को दूर करने में मदद करेंगे।

सिंह
जीवनसाथी की सलाह से आपको पैसे कमाने में मदद मिलेगी। आज उनके साथ बिताये गए पल आपके रिश्ते को और भी मजबूत बनायेंगे।

कन्या
आज बातचीत में आप बहुत सफल रहेंगे और कई लोगों से हर तरह के विषयों पर बात हो सकती हैं। बिजनेस अच्छा चलेगा। आपके अपने हर तरह से मददगार बने रहेंगे पर आपको लोगो के प्रति भरोसा करना होगा।

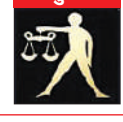

तुला
आज आपके लिए अपने जोखिम लेने की क्षमताओं पर अंकुश लगाना बेहतर होगा। किन्तु आपने पहले से जो भी जोखिम उठाए हैं, उन्हें उपयुक्त रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

वृश्चिक
आज आप व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे। जीवन में सुख की प्राप्ति होगी। आज घर-परिवार का वातावरण अच्छा बना रहेगा। आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान हो सकता है।

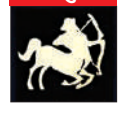

धनु
आज किसी का साथ मिलने वाला है। अपने परिवार की भावनाओं को समझकर अपने गुस्से पर काबू रखें और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए भी कई तरह के नए विकल्प खोजने होंगे।

मकर
नए कामों में दिलो-दिमाग से लग जाएं और खाली बैठने से बचें। नई शुरुआत के लिए आपको थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। किन्तु आने वाले समय में आर्थिक लाभ शुभ रहेगा।

कुम्भ
आज आपको किसी दोस्त से कोई उपहार मिलने की संभावना है। परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बेहतर बना रहेगा।

मीन
आज किसी निवेश का या बचत योजना की शुरुआत करने का फैसला करते हैं, तो आपके लिए बहुत अच्छी रहेगी। बच्चे आपको गर्व महसूस कराएंगे।

बॉलीवुड | सम्मान

इंटरनेशनल अवॉर्ड से सम्मानित हुए नवाजुद्दीन

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हमेशा ही अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता है। वह उन कलाकारों में से एक हैं जो किसी भी तरह की भूमिका को बहुत खूबसूरती से पर्दे पर उतारने में माहिर हैं। नवाजुद्दीन की एक्टिंग का जादू बड़े पर्दे से डिजिटल प्लेटफॉर्म्स तक चला है। उन्होंने अभी तक बॉलीवुड को कई सुपरहिट फिल्में दी हैं और कई अवॉर्ड भी अपने नाम किए हैं। अब इस अवॉर्ड्स लिस्ट में एक नाम और जुड़ गया है और ये इंटरनेशनल अवॉर्ड है। उन्हें नेशनल और इंटरनैशनल लेवल पर कई बार सम्मानित किया जा चुका है। अब नवाजुद्दीन कान फिल्म फेस्टिवल में नजर आए हैं। इस मौके पर नवाज को सम्मानित भी किया गया है, उन्हें कान्स 2022 में सिनेमा जगत में बेहतरीन काम करने के लिए अवॉर्ड फॉर एक्सिलेंस से सम्मानित किया गया है। नवाज को यह अवॉर्ड 2 बार एमी अवॉर्ड जीत चुके अमेरिकन ऐक्टर और प्रड्यूसर विंसेंट डे पॉल ने दिया। नवाजुद्दीन को ये पुरस्कार मिलना भारत के लिए गर्व की बात है। हालांकि यह पहली बार नहीं है कि नवाज को ऐसा अवॉर्ड मिला हो। इससे पहले उन्हें भारत की तरफ से कान्स फिल्म फेस्टिवल में अवॉर्ड रिसीव करने वाले डेलिगेट्स में भी शामिल किया गया था। इस खबर के सामने आते ही फैंस खुशी से झूम उठे हैं। सामने आई तस्वीर में नवाजुद्दीन को तुर्की के मशहूर अभिनेता कैंसेल एलसिन को गले लगाते हुए देखा गया। अभिनेता के वर्कफ्रंट की बात करें, उन्हें जल्द ही अवनीत कौर संग टीकू वेड्स शेरू में देखा जाना है। इसके अलावा वह नूरानी चेहरा और अद्भुत में नजर आने वाले हैं।

सलमान की कभी ईद कभी दिवाली में अब साउथ स्टार जगपति बाबू की एंट्री

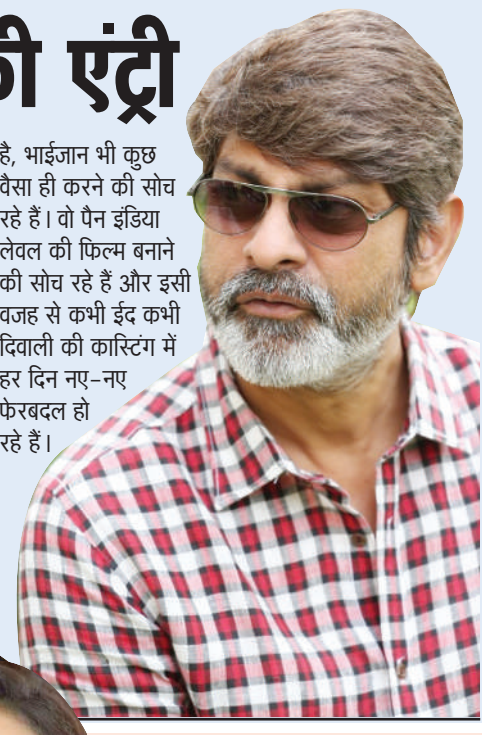

सलमान खान इन दिनों अपकमिंग मूवी कभी ईद कभी दिवाली को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म की कास्टिंग में जबरदस्त फेरबदल देखने को मिल रहे हैं। हर दिन नए-नए अपडेट सामने आ रहे हैं। हाल ही में खबर आई कि सलमान ने अपने जीजा आयुष शर्मा को फिल्म से बाहर का रास्ता दिखा गया है। ये भी बताया गया कि डायरेक्टर फरहाद सामजी संग मतभेद के कारण भाईजान ने डायरेक्शन की कमान भी संभाल ली है और वो टीम के साथ बैठकर इसे पैन इंडिया लेवल की मूवी बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं। यही वजह है कि वो अपनी फिल्म में साउथ स्टार्स को कास्ट करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अब खबर आ रही है कि वेंकटेश और पूजा हेगड़े के बाद तेलुगू ऐक्टर जगपति बाबू को कास्ट कर लिया गया है और वो अगले महीने से दबंग खान संग शूटिंग भी शुरू कर देंगे। सलमान खान की पिछली फिल्मों ने भले ही बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों की कमाई की है, लेकिन जिस तरह से बाहुबली के बाद साउथ की फिल्मों ने एक अलग मुकाम हासिल किया है, भाईजान भी कुछ वैसा ही करने की सोच रहे हैं। वो पैन इंडिया लेवल की फिल्म बनाने की सोच रहे हैं और इसी वजह से कभी ईद कभी दिवाली की कास्टिंग में हर दिन नए-नए फेरबदल हो रहे हैं।

कुंडली भाग्य फेम श्रद्धा के साथ हुई ठगी

बॉलीवुड | मसाला

टीवी शो कुंडली भाग्य में प्रीता का किरदार निभाकर घर-घर में अपनी एक खास पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या अक्सर किसी न किसी कारण सुर्खियों में रहती हैं। इसी बीच अब खबर आई है कि श्रद्धा हाल ही में इंटरनेट पर फॉड का शिकार हो गई हैं। इस बात की जानकारी एक्ट्रेस ने खुद फैंस को दी है। उन्होंने बताया कि एक इंटीरियर डिजाइनर ने उनके साथ ठगी की है। दरअसल, हाल ही में श्रद्धा ने मुंबई के अंधेरी इलाके में नया घर खरीदा है। इसी को डिजाइन करवाने के लिए उन्होंने एक इंटीरियर डिजाइनर हायर किया था, लेकिन अब यही डिजाइनर श्रद्धा के पैसे और सामान लेकर फरार हो गया है। एक्ट्रेस ने इस बारे में जानकारी देते हुए शिकायत भी की है। श्रद्धा ने लिखा, जिस इंटीरियर डिजाइनर पर मुझे लगा था कि मैं भरोसा कर सकती हूं। अब उसी ने मेरा विश्वास तोड़ दिया। एक्ट्रेस ने आगे बताया, वह मेरे घर की फिटिंग और बाकी का सामान लेकर फरार हो गया। मैं उसे 95 प्रतिशत फीस दे चुकी थी, जो उनसे खुद मुझे बताई थी। अब मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा कि मेरे साथ ऐसा हो गया। श्रद्धा ने अपने एक इंटरव्यू में कहा मैं ऑनलाइन किसी इंटीरियर डिजाइनर की तलाश में थी, तभी मुझे वो मिला। मैंने उसे अपने घर की सजावट के लिए हायर किया था। श्रद्धा ने कहा, उसने मुझसे वादा किया था कि वह सिर्फ 4 महीनों में ही सारा काम खत्म कर देगा, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी वह काम पूरा नहीं कर पाया। उसकी फीस भी लाखों में थी, जो मैं 95 प्रतिशत दे चुकी थी, लेकिन अब वह मेरे पैसे और सामान लेकर भाग गया है। इस हादसे से एक्ट्रेस काफी आहत हैं।

अजब-गजब | रहस्य जानकर रह जाएंगे दंग

400 साल से समंदर में भटक रहा है ये श्रापित जहाज

पूरी दुनिया में असंख्य रहस्य छिपे हुए हैं। कुछ के बारे में तो इंसान को पता चल गया लेकिन कुछ के बारे में इंसान आज तक नहीं जान पाया। आप हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं। जो एक शिप यानी पानी के जहाज से जुड़ा हुआ है। इस शिप का नाम है फ्लाइंग डचमैन शिप। इस शिप को पूरी दुनिया में भूतिया जहाज के रूप में देखा जाता है। इस शिप को लेकर ऐसी मान्यता है कि ये भूतिया जहाज पिछले 400 सालों से श्रापित होकर समुद्रों में भटक रहा है। इस श्रापित जहाज को लेकर कई कहानियां भी जुड़ी हुई हैं। इसके चलते ये हमेशा चर्चा में बना रहता है। इस जहाज को देखना काफी अपशकुन माना गया है।

ऐसा माना जाता है कि अगर किसी व्यक्ति ने इसे समुद्र में देख लिया तो वो और उसका जहाज पूरी तरह बर्बाद हो जाता है। इसके साथ ही इस श्रापित जहाज को लेकर दुनियाभर में कई टेलीविजन शो और फिल्में भी बन चुकी हैं। साथ ही कई लोग फ्लाइंग डचमैन शिप को देखने का दावा भी कर चुके हैं। हालांकि उनके दावे में कितनी सच्चाई है ये कोई नहीं जान पाया। बता दें कि 20वीं सदी के मशहूर लेखक निकोलस मॉन्सर्रेट ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान प्रशांत महासागर में इसे देखने का दावा किया था। फ्लाइंग डचमैन शिप को लेकर विभिन्न धारणाएं और मान्यताएं भी हैं। इस शिप लेकर एक आम धारणा है कि ये एक वैसल था। इस जहाज के कैप्टन हेनरीक वैन द डेक्कन थे। उन्हें डचमैन के नाम से भी जाना जाता था। कहा जाता है कि 1641 में जहाज के कैप्टन हेनरीक वेन हॉलैंड से अपने जहाज के साथ ईस्ट इंडीज की तरफ निकले थे। हालांकि यात्रा के बाद जब वो अपने यात्रियों के साथ हॉलैंड की तरफ वापस आने लगे, तो उन्होंने रास्ते में कुछ बदलाव किया। उन्होंने अपने वेसल को कैप ऑफ गुड हॉप की ओर मोड़ने का निर्देश दिया। कैप्टन के इस निर्णय से जहाज में बैठे यात्री काफी नाखुश हुए क्योंकि उन्हें जल्दी अपने घर पहुंचना था। आगे रास्ते में जहाज का सामना एक भयंकर तूफान से हो गया। इस तूफान में जहाज पूरी तरह तबाह हो गया। इस त्रासदी में जहाज पर सवार सभी यात्री मारे गए। कहा जाता है कि मरते मरते जहाज के सभी यात्रियों ने बद्दुआ देकर इस जहाज को श्रापित कर दिया। तभी से ये भूतिया जहाज समुद्र में भटक रहा है। हालांकि फ्लाइंग डचमैन शिप के रहस्य से अब तक पर्दा नहीं उठ पाया है। इस शिप को देखने का दावा करने बाद भी इसका रहस्य आज भी बरकरार है।

आसमान में उड़ते हवाई जहाज के पीछे क्यों बनती है सफेद लकीर?

इंसान की जिंदगी में कई चीजें ऐसी होती है, जो वो अक्सर होता हुआ देखता तो है लेकिन उसकी वजह नहीं जानता। ये चीजें हमारे आंखों के लिए बाद कॉमन हो जाती हैं। इस वजह से शायद ही हमारा दिमाग उनके बारे में सवाल करता है। ऐसी ही कई सवाल और जवाब हम आपको डू यू नो के जरिये बता रहे हैं। आपने अक्सर हवाई जहाज उड़ते हुए देखा होगा। नीले आसमान में उड़ते इन हवाई जहाज के पीछे सफेद रंग की लकीरें बनती जाती हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर ये लकीरें क्यों बनती हैं? कई बार अचानक आसमान पर नजर पड़ने के बाद आप पाएंगे कि वहां सफेद रंग की लकीर मौजूद है। लोग समझ नहीं पाते कि आखिर ये सफेद लकीरें क्यों बनती हैं। कुछ का कहना है कि ये लकीरें हवाई जहाज से निकलने वाले धुंए की वजह से है तो कुछ का कहना है कि ये बर्फ की लकीरें हैं, लेकिन इसकी असली वजह कोई नहीं जानता। आज हम आपको इन लकीरों के पीछे का विज्ञान बताने जा रहे हैं। आसमान में दिखाई देने वाले ये सफेद लकीर असल में कंट्रेल्स कहलाते हैं। ये एक तरह के बादल ही हैं लेकिन आम बादलों से अलग। ये तब बनते हैं जब आसमान का सीना चीर कर हवाईजहाज वहां से गुजरते हैं। जहां आम बादल नेचुरल तरीके से बनते हैं। वहीं ये बादल हवाई जहाज या रॉकेट के गुजरने के बाद ही बनते हैं। जब कभी प्लेन आसमान से करीब आठ किलोमीटर की ऊंचाई से उड़ते हैं या फिर माइनस चालीस डिग्री सेल्सियस में उड़ते हैं, तो ये सफेद लकीरें बनती हैं। ठंड में इतनी ऊंचाई पर उड़ते हवाई जहाज या रॉकेट के एक्सॉस्ट फैन से धुआं बाहर की तरफ निकलता है। ये धुआं आस्मां में बाहर जाने के बाद हवा में जम जाता है। इसी के साथ इन बादलों जिसे कंट्रेल्स कहते हैं, का निर्माण होता है। इनके बनने की वजह हवा में मौजूद नमी होती है। अगर नमी ज्यादा होती है तो आसमान में ये बदल ज्यादा देर तक नजर आते हैं। लेकिन अगर नमी कम हो तो ये सफेद लकीरें काफी जल्दी गायब हो जाती हैं।

झूठ को बार-बार दोहरा कर सच नहीं बना सकता विपक्ष : सीएम

» अच्छे काम के कारण लगातार दूसरी बार बनी है भाजपा सरकार

» गरीबों और मछुआ समुदाय के हितों के लिए कर रही है काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान परिषद में प्रश्न काल के दौरान बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष एक झूठ बार-बार दोहरा कर उसे सच नहीं बना सकता। हम अच्छे कामों के कारण ही दुबारा जीते हैं। 37 साल बाद कोई सरकार दोबारा आई है। मछुआ समुदाय समेत सभी गरीबों के लिए सरकार नियमावली बनाकर काम कर रही है। हर पात्र और जरूरतमंद व्यक्ति को मुफ्त राशन भी उपलब्ध करवाया जा रहा है।

बसपा के सदस्य भीमराव अंबेडकर ने भीख मांगने वालों के लिए निशुल्क खाद्यान्न योजना के तहत लाभ दिए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि बसपा सदस्य ने संवेदनशील मुद्दा उठाया है। 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद हर जरूरतमंद के लिए राशन उपलब्ध कराने का काम किया गया है। महामारी के दौरान भी आम लोगों की मदद की गई। जो भी पात्र मिलेंगे, उनका नाम लाभार्थियों की सूची में जोड़ा जाएगा। सपा के डॉ. राजपाल कश्यप ने कहा कि 1994 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की सरकार ने मछुआ समुदाय की जातियों को बालू व खनन के पट्टे देने के लिए नियम बनाया था। पर आज इन जातियों को इस सुविधा से वंचित किया जा रहा है। प्रयागराज में नावें तोड़ दी गईं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी सदस्यों को उत्तेजित होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि मछुआ समुदाय के हित में केंद्र व राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ काम कर रही हैं। इनके लिए कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत 1991 में तत्कालीन सीएम कल्याण सिंह की सरकार ने की थी। पर्यावरण के मद्देनजर समय-समय पर न्यायालयों का जो आदेश होता है, उनका पालन करना भी सरकार की जिम्मेदारी होती है। नीति के अंतर्गत पट्टे देने का काम अभी भी किया जा रहा है। उन्होंने इस मुद्दे पर विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि एक झूठ को बार-बार बोलने से वह सच नहीं हो जाता।

खाई में गिरी बस 18 यात्री घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

औरैया। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर आज सुबह प्राइवेट बस डिवाइडर से टकराकर खाई में गिर गयी। जिससे 18 यात्री जख्मी हो गए। पुलिस ने घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है। बस में सवार यात्री बलरामपुर से गुजरात जा रहे थे।

» लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर हादसा

उतरौला बलरामपुर जिले से राजकोट गुजरात जा रही प्राइवेट बस में 120 यात्री सवार थे। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे के खंभा संख्या 136/137 समीप आज सुबह ट्रक को ओवरटेक करने में बस चालक चन्द्रमणि सिंह निवासी महुआ घाटम थाना उतरैला संतुलन खो बैठा। इसके बाद डिवाइडर तोड़ते हुए बस एक्सप्रेस-वे से नीचे खाई में जा गिरी। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई और करीब 18 यात्री गंभीर घायल हो गए। आसपास के लोगों ने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। बिधूना क्षेत्राधिकारी महेंद्र प्रताप सिंह थानाध्यक्ष रामसहाय पटेल समेत पुलिस बल व एक्सप्रेस-वे के सुरक्षा अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद पांडेय मौके पर पहुंचे। घायलों में नीरज यादव पुत्र ओमकार, विजय पुत्र मालिक राम, बबलू पुत्र राम अवतार, अंकित, रोहन, राहुल, चंद्रभान यादव, माया शर्मा, अनवर, दिनेश, सुनील व भूपेंद्र सिंह समेत 18 घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। कुछ घायलों को उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई व कन्नौज के सौरिख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

जौहर यूनिवर्सिटी की दो इमारतें सील, शत्रु संपत्ति पर बने थे भवन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। विधायक आजम खां की मुहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी में शत्रु संपत्ति पर बनी दो इमारतों को प्रशासन ने सील कर दिया है। जौहर यूनिवर्सिटी में 13.8 हेक्टेयर शत्रु संपत्ति बताई गई है। इसे लेकर 2019 में आजम खां के खिलाफ प्रशासन ने मुकदमा भी दर्ज कराया था। दो सप्ताह पहले इस मामले में हाईकोर्ट ने आजम खां की जमानत अर्जी मंजूर करते हुए शत्रु संपत्ति पर कब्जा लेने के आदेश जिलाधिकारी को दिए थे। तहसील प्रशासन जमीन पर कब्जा लेने के साथ ही तारबंदी भी करा रहा है।

जौहर यूनिवर्सिटी की दो इमारतें भी इसकी जद में आ गई हैं। इसको लेकर उपजिलाधिकारी सदर मनीष मीणा ने यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार को नोटिस दिया था, जिसमें कब्जा हटवाने को कहा गया। दो दिन पहले इस मामले में प्रशासन ने भारत सरकार के मुख्य अभिरक्षक शत्रु संपत्ति और संयुक्त सचिव शत्रु संपत्ति को रिपोर्ट भेजी थी, जिसमें हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए उक्त संपत्ति पर कब्जे की कार्रवाई से अवगत कराया। शत्रु संपत्ति क सर्वेयर से यह आंकलन करने को कहा है कि इन इमारतों को हटाने में कितना खर्चा आएगा। एसडीएम ने दोनों इमारतों को सील भी करा दिया। हालांकि इस मामले में आजम खां भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर चुके हैं।

मुठभेड़ में नबला खरवार गैंग के आठ अपराधी गिरफ्तार

» डकैती डालने जा रहा था गिरोह

» कई हथियार बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। पुलिस ने मुठभेड़ में खूंखार नबला खरवार गिरोह के आठ अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों में गिरोह का सरगना भी है। पुलिस को गिरफ्तार अपराधियों के कब्जे से डकैती और कत्ल में इस्तेमाल होने वाले रंभा, सब्बल, आरी, तमंचा, कारतूस जैसे कई औजार तथा हथियार मिले हैं।

एसएसपी प्रयागराज अजय पांडेय ने बताया कि रात में पुलिस टीम गश्त पर थी तभी सोरांव इलाके में इन अपराधियों को जाते देखकर रोकने का प्रयास किया। अपराधियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी जिसके बाद जवाबी फायरिंग करते हुए पुलिस ने घेरकर इन्हें पकड़ लिया। पुलिस के हत्थे चढ़े अपराधी बिहार में औरंगाबाद समेत अन्य जनपदों के हैं जो यहां लूटपाट करने के लिए आए थे। गिरफ्तार नबला खरवार गैंग के अपराधी डकैती की बड़ी वारदात के इरादे से जा रहे थे। यह गिरोह घरों की रेकी करने के बाद डकैती डालता है। अप्रैल महीने में प्रयागराज के थरवई के खेवराजपुर गांव में परिवार के पांच लोगों की हत्या के साथ ही दो महिलाओं से दरिंदगी भी इसी गिरोह के अपराधियों ने की थी। प्रयागराज के मांडा इलाके में भी इसी गिरोह ने पति-पत्नी और बेटी का कत्ल किया था। लड़की के साथ दरिंदगी भी की गई थी। प्रयागराज पुलिस इस गिरोह के सात अपराधियों को पहले गिरफ्तार कर चुकी है। तीन अपराधी गोली लगने से घायल हुए थे।

नौकरी का झांसा देकर युवती से गैंगरेप

» आरोपी ने युवती को बुलाया था प्रयागराज बेहोशी की दवा पिलाकर की थी दरिंदगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। नौकरी दिलाने का झांसा देकर कानपुर की एक युवती से फाफामऊ में कार में युवकों ने गैंगरेप किया। एसपी गंगापार अभिषेक अग्रवाल के आदेश पर फाफामऊ थाने में गैंगरेप के आरोपी चार युवकों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया। इनमें एक आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया है।

कानपुर की एक युवती को मऊआइमा क्षेत्र के रजवापुर गांव निवासी मोहम्मद वसीम ने 22 मई को नौकरी दिलाने के नाम पर प्रयागराज बुलाया और उसे कार से फाफामऊ ले गया। कार में उसे कोल्ड ड्रिंक में नशे की दवा पिला दी। बेहोशी की हालत में वसीम और उसके तीन अन्य साथियों ने युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। जब वह होश में आई तो उसे तमंचा दिखाकर गोली मारने की धमकी देकर भगा दिया। युवती फाफामऊ थाने पहुंची। थानाध्यक्ष फाफामऊ आशीष सिंह सिसोदिया ने गैंगरेप में नामजद मोहम्मद वसीम को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि वसीम के बाकी तीन साथियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

तो कांग्रेस को सपा ने दिया बड़ा झटका!

» पूर्व कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल को राज्य सभा चुनाव में समर्थन दे चला बड़ा दांव

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने रखे अपने विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

लखनऊ। कांग्रेस को एक और झटका तब लगा जब वरिष्ठ नेता और पेशे से वकील कपिल सिब्बल ने सपा के समर्थन से राज्य सभा चुनाव के लिए नामांकन भरा और कहा मैं अब कांग्रेसी नहीं, निर्दलीय हूं। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार विनोद अग्निहोत्री, सतीश के सिंह, ऋषि मिश्रा, राजेश बादल, उमाकांत लखेड़ा, डॉ. लक्ष्मण यादव व प्रो. जितेंद्र मीना और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

विनोद अग्निहोत्री ने कहा सिब्बल का सभी दलों से गहरा संबंध है। आरजेडी के समर्थन से भी सिब्बल राज्य सभा जा चुके हैं। जी23 के अगुवा भी रहे हैं। वे कांग्रेस के चिंतन शिविर में भी नहीं गए थे। कांग्रेस से मोहभंग हो गया तो उन्होंने नया रास्ता खोजा।

उमाकांत लखेड़ा ने कहा, सिब्बल एक राजनीतिक हस्ती है। सपा को सिब्बल की जरूरत थी और उनको भी कहीं न कहीं जरूरत थी। मगर पर्चा निर्दलीय भरा। इसके पीछे एक समझौता जरूर हुआ होगा। इस पूरे गेम में आजम खां की बड़ी भूमिका है। उनकी पैरवी से ही आजम छूटे हैं। अखिलेश ने सिब्बल को अपने साथ लाकर एक तीर से कई निशान साध लिए है। सतीश के सिंह ने कहा, वकील आज सब पार्टियों की जरूरत है खासकर विपक्ष की पार्टियों के लिए। वकील राजनीतिज्ञ से ज्यादा भारी हो गया है अब। एक वकील के रूप में सपा को गेन हुआ है राजनीतिज्ञ के रूप में बहुत गेन हुआ है ऐसा मेरा मानना नहीं है। हो सकता है कि वकीलों की वजह से कांग्रेस की दुर्गति हो गई हो। ऋषि मिश्रा ने कहा, सिब्बल एक अच्छे वकील हो सकते है लेकिन एक अच्छे नेता कभी नहीं रहे। चुनावी सफलता और पार्टी में योगदान कोई खास नहीं रहा।

राजेश बादल ने कहा, कपिल सिब्बल के पास कहने को कुछ है नहीं क्योंकि जी23 में वे एक केंद्र बिंदु बन गए थे। एक अच्छा वकील अच्छा जनाधार वाला नेता कभी नहीं होता।

प्रो. जितेंद्र मीना व डॉ. लक्ष्मण यादव भी परिचर्चा में शामिल हुए।

सिब्बल के बाद समाजवादी पार्टी ने जयंत चौधरी को घोषित किया राज्य सभा चुनाव का प्रत्याशी

सपा-आरएलडी के होंगे संयुक्त प्रत्याशी, सिब्बल और जावेद अली भर चुके हैं पर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 11 राज्यसभा सीटों के लिए हो रहे चुनाव में समाजवादी पार्टी ने अपने एक और प्रत्याशी का ऐलान कर दिया है। शुरुआत में खबरें थी कि सपा की ओर से डिंपल यादव राज्य सभा जा सकती हैं, लेकिन अब राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी को सपा ने राज्यसभा का टिकट दिया है। जयंत चौधरी सपा-आरएलडी के संयुक्त प्रत्याशी होंगे। आरएलडी के राष्ट्रीय प्रवक्ता रोहित अग्रवाल ने जयंत चौधरी को राज्य सभा के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी है।

समाजवादी पार्टी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट करके बताया कि जयंत चौधरी समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल से राज्य सभा के संयुक्त प्रत्याशी होंगे। इससे पहले सपा ने सपा के मुस्लिम चेहरा जावेद अली और

देश के जाने-माने वकील कपिल सिब्बल को अपना प्रत्याशी बनाया है। सिब्बल ने निर्दलीय पर्चा भरा है, उन्हें सपा समर्थन कर रही है। इससे पहले बुधवार को सपा की ओर से कपिल सिब्बल और जावेद अली ने अपना नामांकन भरा। इस दौरान कपिल सिब्बल ने बताया कि वो 16 मई को ही कांग्रेस से इस्तीफा दे चुके हैं। सिब्बल के नामांकन के दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव और रामगोपाल यादव भी मौजूद रहे। 2016 में सिब्बल को तत्कालीन सत्तारूढ़ समाजवादी पार्टी द्वारा समर्थित कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में यूपी से राज्यसभा के लिए चुना गया था। कपिल सिब्बल को लेकर ये भी माना जा रहा है कि अखिलेश इस मौके को आजम खान की उपेक्षा और रिहा होने के बाद के हावभाव के बीच भुनाना चाहते हैं। आजम खान ने जेल से बाहर आने के बाद कहा था कि मेरे विनाश में मेरे चाहने वालों का हाथ है। राज्यसभा की 11 सीटों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

अब क्या आजमगढ़ से उपचुनाव लड़ेंगी डिंपल?

कल तक यह लगभग तय था कि डिंपल यादव का राज्य सभा जाना तय है और वह गुरुवार को अपना नामांकन करेंगी, लेकिन कपिल सिब्बल के निर्दलीय प्रत्याशी बनने के बाद हालात बदलने लगे और चर्चा आरएलडी के खेमे में शुरू हो गई कि जयंत चौधरी को एक बार फिर धोखा मिला है। यूपी के सियासी गलियारे में कई अटकलबाजी भी शुरू हो गईं। इन सबके बीच समाजवादी पार्टी ने तमाम अटकलों को विराम लगाते हुए एक बड़ा फैसला लिया और जयंत चौधरी को आरएलडी और समाजवादी पार्टी के गठबंधन का संयुक्त उम्मीदवार बनाने का ऐलान कर दिया। इससे साफ हो गया कि अब डिंपल यादव राज्यसभा नहीं जा रही। अब चर्चा है कि डिंपल यादव, आजमगढ़ लोक सभा सीट उपचुनाव लड़ेंगी।

सपा के खाते में तीन सीटें पक्की, चौथी के लिए टक्कर

उत्तर प्रदेश के विधानसभा में कुल 403 विधायक हैं, जिनमें से 2 सीटें रिक्त हैं। इस तरह से 401 विधायक फिलहाल हैं। ऐसे में एक सीट के लिए 36 विधायकों का वोट चाहिए। बीजेपी गठबंधन के पास 273 विधायक है, जिसके लिहाज से 7 सीट जीतने में कोई परेशानी नहीं होगी। सपा के पास 125 विधायक हैं। उसे 3 सीट जीतने में कोई दिक्कत नहीं है। एक सीट के लिए बीजेपी और सपा सियासी घमासान मचेगा और एक दूसरे के खेमे में सेंधमारी की कवायद होगी।

पैर में प्लास्टर चढ़ा होने के बाद भी महापौर ने महानगर में किया नाली सफाई का निरीक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पैर में प्लास्टर चढ़ा होने के बावजूद महापौर संयुक्ता भाटिया आज सुबह नाला, नाली सफाई की सच्चाई जांचने स्वयं महानगर की विज्ञान पुरी कॉलोनी पहुंच गई। इस दौरान उन्हें कई अनियमितता मिली, इस पर उन्होंने जोन के अधिकारी व कर्मचारियों को फटकार लगाई।

कॉलोनी में रहने वाली वन्दना गुप्ता ने महापौर को नाला सफाई ठीक से नहीं होने और निशिथ कपूर ने भी नाली चोक होने की शिकायत की थी। इस पर महापौर ने अतिक्रमण तोड़ कर तालिझार नाला सफाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही महापौर ने महानगर के सेक्टर ए में चोक नाली को साफ करा नाली सफाई कराने के लिए निर्देशित किया। ज्ञात हो कि महापौर संयुक्ता भाटिया ने सफाई से संबंधित एसएफआई और जेडएसओ की बैठक की थी। बैठक में

» वार्डवार डिजिटल डायरी बनवाकर महापौर ने तलब की रिपोर्ट

मानसून से पूर्व 25 मई तक पूरे लखनऊ में सभी मोहल्लों में नालियों और छोटे नालों की सफाई कराने के लिए विशेष सफाई अभियान चलाने के साथ ही सिल्ट भी उठाने के लिए निर्देशित किया था। महापौर ने इसके लिए 25 मई तक का अल्टीमेटम भी दिया था। कल महापौर ने अपर नगर आयुक्त अभय पाण्डेय को पत्र लिख कर नाली सफाई अभियान का निरीक्षण कराने के निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में स्वयं महापौर संयुक्ता भाटिया आज प्रात: अपर नगर आयुक्त अभय पाण्डेय को साथ लेकर निरीक्षण पर निकली थी। महापौर के निर्देश पर समस्त वार्डों में नाली सफाई अभियान का निरीक्षण हेतु अलग अलग विभागों और अलग जोन के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाएगा और इस दौरान डिजिटल डायरी बनाकर पूरी रिपोर्ट महापौर को प्रेषित करेंगे।

मायावती के खास रहे नकुल दुबे कांग्रेस में शामिल

» अनुशासनहीनता के चलते बसपा से थे निष्कासित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी के पूर्व मंत्री नकुल दुबे बहुत जल्द कांग्रेस में शामिल हो गए। नकुल दुबे यूपी की सियासत में ब्राह्मण चेहरे के तौर पर जाने जाते हैं, जिसके सहारे बसपा सुप्रीमो मायावती ने 2007 में ब्राह्मण-दलित गठजोड़ के चलते सत्ता में काबिज हुई थीं।

पेशे से अधिवक्ता नकुल दुबे की उत्तरप्रदेश के प्रबुद्ध जनों के बीच गहरी पैठ है। इससे पहले बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बड़ा फैसला लेते हुए पार्टी का ब्राह्मण चेहरा माने जाने वाले पूर्व मंत्री नकुल दुबे को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। उन पर पार्टी में अनुशासनहीनता अपनाने और पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने

के कारण ये कदम उठाया गया था। इस की जानकारी मायावती ने ट्विटर हैंडल से दी थी। इसी साल यूपी चुनावों में नकुल दुबे को पार्टी का प्रमुख ब्राह्मण चेहरे के तौर पर पेश किया गया था। बसपा महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा के बाद नकुल दुबे पार्टी का बड़ा ब्राह्मण चेहरा माने जाते थे।

सहारा ग्रुप को सुप्रीम कोर्ट से झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय से सहारा समूह को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने समूह से जुड़ी नौ कंपनियों के खिलाफ एसएफआईओ की जांच पर रोक लगाने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को गुरुवार को रद कर दिया है।

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ एसएफआईओ द्वारा दायर अपील को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद अब समूह की कंपनियों के खिलाफ जांच की राह खुल गई है। शीर्ष अदालत ने पाया कि मामले में जांच पर रोक लगाने के लिए उच्च न्यायालय का फैसला उचित नहीं था। बता दें कि एसएफआईओ ने सहारा समूह के प्रमुख के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय के 13 दिसंबर, 2021 के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत में अपील दायर की थी, जिसमें बाद की सभी कार्रवाइयों पर रोक लगा दी गई थी।

लोक सभा उपचुनाव के लिए राजनीतिक दलों ने तेज की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा उपचुनाव की तारीखों की घोषणा होते ही राजनीतिक दलों ने तैयारी तेज कर दी है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की दो सीटों पर उपचुनाव होगा, इसके लिए सभी पार्टियों ने कमर कस ली है। बैठकों का दौर शुरू हो गया है, नामों पर भी मंथन चल रहा है। दो-तीन दिन में नाम लगभग फाइनल हो जाएंगे।

यूपी में दो सीटों पर होगा उपचुनाव

बता दें कि देश के छह राज्यों में तीन लोकसभा और सात विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव 23 जून को होंगे। लोकसभा सीटों में उत्तर प्रदेश की आजमगढ़ और रामपुर हैं जो क्रमश: समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और मोहम्मद आजम खान के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद खाली हुई हैं। एक लोकसभा सीट पंजाब के संगरूर की है जिसे भगवंत मान ने राज्य का मुख्यमंत्री बनने के बाद छोड़ा है। इसके अलावा जिन सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे, उनमें दिल्ली की राजेंद्र नगर सीट है जो आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा ने राज्यसभा सदस्य बनने के बाद छोड़ी है। अन्य विधानसभा सीटों में झारखंड की मंदार, आंध्र प्रदेश की अतमाकुर और त्रिपुरा की अगरतला, टाउन बोरदोवाली, सुरमा और जुबराजगनर सीट हैं। निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि मतगणना 26 जून को होगी और उपचुनाव के लिए अधिसूचना 30 मई को जारी की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।